यमुना किनारे, झिलमिल करे तारे ....

यमुना किनारे, झिलमिल करे तारे,
जहाँ बाँसुरी बजावे, यशोदा का लड़का, नन्दजी का लड़का।
जिसे सुन–सुन राधाजी का दिल धड़का।।
पाँवों में पेंजनियाँ, पहन चोरी–चोरी,
घर से चली रे देखो, राधे गोरी–गोरी,
आई कदम्ब के नीचे, घूंघट पट खींचे,
जहाँ बाँसुरी बजावे, यशोदा का लड़का, नन्दजी का लड़का।
जिसे सुन–सुन राधाजी का दिल धड़का।।
यमुना किनारे .....
नटखट था बड़ा कन्हैया, पकड़ी राधाजी की बईयाँ,
राधाजी का नरम कलेजवा, नाचे ताता थैय्या।
लो प्रीत गगरिया छलकी, माथे से चुनरिया ढलकी,
जहाँ बाँसुरी बजावे, यशोदा का लड़का, नन्दजी का लड़का
जिसे सुन–सुन राधाजी का दिल धड़का।।
यमुना किनारे .....
राधा मोहन के मधुर मिलन की, छटा देखकर,
उठी गगन में घटा, पवन जो हटा, मेघ जो फटा,
बरसने लगा रे मुसलाधार।
गोकुल भीगा, मधुबन भीगा, भीगे कृष्ण मुरारी,
भीग गई रे कुंवर राधिका, भीगा उनका प्यार,
पंछी भोर को पुकारे, खुले नयन रतनारे।
जहाँ बाँसुरी बजावे, यशोदा का लड़का, नन्दजी का लड़का।
जिसे सुन–सुन राधाजी का दिल धड़का।।
यमुना किनारे .....